BOSM 2023

दिवस 4 | अंक 1

स्पर्धा

PHOTO CREDITS
Dept. of Sports Publicity and Design

हिन्दी प्रेस क्लब

संपादकीय

"होइहि सोइ जो राम रचि राखा"

गोस्वामी तुलसीदास जी द्वारा रचित रामचरितमानस की यह पंक्ति सर्वथा उचित है, और इसके प्रमाण भी यदा - कदा मिलते ही रहते हैं। जीवन में आप की बहुत सी इच्छाएं और आकांक्षाएं होती हैं, परंतु यदि हर मनोकामना पूर्ण होती तो ईश्वर की पूजा पर भी शायद पूर्ण विराम लग जाता। आज मैं अपनी जिंदगी के इक्कीस वें वर्ष में प्रवेश कर रहा हूं और मेरे गत बीस सालों के अनुभवों को यदि मैं दो पंक्तियों में बताऊं तो कुछ यूं होगा कि

"जीवन पग- पग पर संघर्ष है ज़िंदा वही जो प्रयास कर रहा है। अक्सर दिये बुझ जाते हैं तेल की कमी से और लोग कहते हैं कि तूफ़ान चल रहा है।"

कहने का मतलब है कि ये ज़रूरी नही कि हर बार गलती वहाँ हो जहाँ दिख रही है, कभी - कभी हमारा दृष्टिकोण भी गलत हो सकता है।
ख़ैर ये सब बातें तो खत्म नही होने वाली। आज मेरा BOSM समन्वयक के रूप में अंतिम दिवस है। इस बार का BOSM मेरी कल्पना के परे था। कुछ ऐसा हुआ जो शायद न होता तो अच्छा था, और कुछ ऐसा शायद नही हुआ जिसके होने से और अच्छा हो सकता था। अगर ये बात थोड़ी समझ नहीं आई तो कोई बात नही कभी - कभी कुछ समझ न आना ही हितकारी होता है।

बारिश के पवित्र जलाभिषेक से श्री गणेश हुआ BOSM 2023 का, और आज इसका अंतिम दिन है। जो जीते उनको ढेरों शुभकामनाएं और जो हार गए उनको भी शुभकामनाएं कि वे इस विशाल आयोजन का हिस्सा बन सके।

इन चार दिनों में मैंने और शायद सभी ने जितना सीखा है और जितनी दिमागी कसरत की है, उतनी तो कभी कॉमप्रीज के लिए भी नही की। किसी चीज़ के बिल्कुल बिगड़ जाने के बाद, उसे फिर से चलाने लायक बनाना आसान नही होता और वो सभी लोग जिन्होंने इसमें मेरी मदद की है उनका तो मैं कृतज्ञ ही हो गया हूँ।

भावनाओं की सीमा नही होती लेकिन शब्दों का बंधन उन्हें सीमित कर देता है। आप सभी ने यहाँ तक पढ़ा, उसके लिए धन्यवाद।
आपकी भावी ज़िंदगी के लिए आपको शुभाकामनाएं।
राम राम । अलविदा । BYE BYE ...

अनुक्रमणिका

- अदल-बदल
- रेडियोएक्टिव
- प्राइड स्टॉल
- हॉकी
- बॉलीवुड नाइट
- बैडमिंटन
- कैरम
- लॉन टेनिस
- ‘ध्वनि’ की गूँज

अदल-बदल

उस दिन पूरे देश के हर गली-मोहल्लों और बाज़ारों में शांति थी। ऐसा इसलिए था क्योंकि बंबई के वानखेड़े क्रिकेट स्टेडियम का माहौल ही बिलकुल विपरीत था। पूरे देश के क्रिकेट दीवाने भारत बनाम पाकिस्तान का मैच देखने आए थे। नीली शर्ट पहने हज़ारों समर्थक, “इंडिया- इंडिया” के नारे लगा रहे थे और इसके बीच में 16 साल का अभय भी था, जो कि एक बॉलबॉय था। उसे सभी खिलाड़ियों को नज़दीक से खेलते हुए देखने में बहुत ही आनंद आ रहा था। लेकिन पिच पर उन 22 खिलाड़ियों में से एक ऐसा भी था जिसे अभय भगवान समान पूजता था। वह और कोई नहीं, बैटिंग के बादशाह विराट कोहली थे। हर गेंद से पहले अभय कामना करता था कि काश गेंद उसके तरफ़ आए और वह किसी तरह विराट से मिल सके। अचानक ऐसा ही हुआ - बल्लेबाज़ ने गेंद को हवा में मारा और विराट कोहली अपनी बाज़ जैसी नज़र के साथ गेंद के ओर भागते गए। मैदान की रेखा पर अभय और विराट की ज़ोरदार टक्कर हो जाती है। इससे पहले कि अभय इस मुलाक़ात का जश्न मनाता, वह बेहोश होकर गिर गया।

अगले सवेरे उठते ही, अभय खुशी से फूला न समा रहा था। आँख खुलने पर वह अचानक बिस्तर से कूदा, लेकिन अपने सामने का नज़ारा देख कर अचंभित रह गया। वह किसी 5 स्टार होटल जैसे कमरे में होता है और खिड़की के बहार देखा तो ऐसा लगा कि यह कमरा, मुंबई के ऊपर उड़ते किसी जहाज़ में हो। बाथरूम के शीशे में देखा तो यह क्या - अभय विराट कोहली का रूप धारण कर चुका था। तभी कमरे के दरवाज़े पर एक व्यक्ति, जो पोशाक से किसी होटल का बटलर लग रहा था,अंदर आता है और अभय, या कह लीजिए “विराट” से ट्रेनिंग पर जाने की विनती करता है। यह जानकर आश्चर्य नही होना चाहिए कि ट्रेनिंग में विराट किसी 16 साल के अकादमी खिलाड़ी की तरह खेल रहे थे। वही मुंबई के किसी गुमनाम गली के छोटे से घर में एक लड़के की चीखने की आवाज़ आती है। “मैं विराट कोहली हूँ, आप कौन है और मुझे यहाँ लेकर क्यों आये हैं!” अभय के घरवाले हँसकर उसे वापस सो जाने को कहते हैं। शीशे में देख उस 16 साल के लड़के की आँखों में आग होती है। आग क्रिकेट के ज़रिए अपने बहरूपिए को सबक सिखाने की।

अभय रोज़ स्कूल से आने के बाद अपनी अकादमी में दो गुना स्फूर्ति से अभ्यास करता। वह घंटो तक अपनी बल्लेबाज़ी और गेंदबाज़ी का अभ्यास करता। कुछ महीनों बाद वह मुंबई के स्कूलों के मैचों में शतक जड़ने लगा और उसकी गेंद मानो किसी बन्दूक से चली गोली के समान हो। रणजी ट्रॉफ़ी में अभय के चयनित होने की बातें शुरू हो गईं। अभय ने भी फ़ैसला कर लिया था कि इस मौके के लिए ऐड़ी-चोटी का जोर लगा दूँगा। ऐसे तो उसने आज तक विराट कोहली के

मुश्किल ट्रेनिंग के बारे में सुना ही था, परन्तु उस क्षण से उसने कठिन परिश्रम को किसी पुराने मित्र की तरह अपने गले लगा लिया था। वह घंटो फ़ील्ड में ट्रेनिंग के बाद अपने आलीशान जिम में वज़न उठाता। कुछ महीनों के ब्रेक के बाद, “विराट कोहली” एक बार फिर फ़ॉर्म में आकर गेंदबाजों के छक्के छुड़ाने लगता है। अगले IPL सीज़न में वह 17 वर्षीय ऑल राउंडर, मुंबई इंडियंस के खिलाड़ी अभय के चर्चे सुनते हैं। अभय को समझ आ जाता है कि यह और कोई नही बल्कि विराट कोहली है, जो उसके शरीर में चले गए हैं।

कुछ दिनों बाद ही, अभय और विराट फिर से क्रिकेट के मैदान पर मिलते हैं। विराट कोहली ने दिल्ली के गेंदबाजों के खिलाफ़ कई सारे रन बना चुके होते हैं और तब 17 साल का अभय अपने कप्तान से जाकर बात करता है। कप्तान अगला ओवर अभय को देते हैं। अभय किसी चीते की तरह रन अप लेकर, गोली की रफ़्तार से गेंद फेंकता है। इसपर विराट चालाकी से कट मारकर 4 रन बटोर लेते हैं। उस एक क्षण में असली विराट कोहली के मन में अपने बहरूपिए के लिए इज़्ज़त जाग जाती है। यदि उन्होंने शुरुआत से करियर बनाया है, तो उसने भी उनका मान रखा है और यह शायद ज़्यादा मुश्किल काम है। इस ही प्रकार से वह अपनी अगली 4 गेंदों में भी रन खा जाता है। ओवर की आखरी बॉल को विराट बल्ले से छूकर रन लेने का प्रयास करते है। अभय गेंद को पकड़ने के लिए लपकता है और विराट कोहली से टकरा जाता है। उन दोनों का सर कुछ देर के लिए घूम जाता है और मेडिकल स्टाफ़ को बुलाया जाता है। तभी विराट कोहली उठते हैं और खुद के शरीर को थोड़ा देखते हैं। वह ज़मीन पर गिरे अभय की ओर दोस्ती का हाथ बढ़ाते हैं और उसे उठाकर खेल जारी करते हैं।

रेडियोएक्टिव

BOSM के पहले दिन कई क्लब्स एवं डिपार्टमेंट्स द्वारा विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किये गए। इन में से एक क्लब रेडिओएक्टिव भी था। क्लब के सीनियर्स के अनुसार रेडिओएक्टिव का मुख्य मकसद BOSM में आने वाले सभी प्रतियोगियों अथवा अन्य छात्रों के लिए मनोरंजक गतिविधियों का आयोजन करना है। इस बार यह क्लब 2 गतिविधियों का आयोजन कर रहा है जो कि लेज़र टैग और ओपन माइक है। लेज़र टैग एक समूह खेल है। इसमें हर एक टीम में कुल 7 लोग होते है। ऐसी 7-7 खिलाड़िओ की 2 टीम आपस में स्पर्धा करती हैं। इस खेल में प्रतियोगी लेज़र गन का प्रयोग करके अपने प्रतिद्वंद्वी के बदन पर लगी हुई वेस्ट पर लेज़र गन से निशाना साधते है। वेस्ट पर निशाना लगते ही वह खिलाड़ी खेल से बाहर हो जाता है। इसी प्रकार जो टीम अंत तक बनी रहती है वह विजेता घोषित कर दी जाती है। यह खेल करीब 10 से 15 मिनटों तक खेला जाता है। लेज़र टैग को BOSM में 2 दिन तक आयोजित किया जाता है। इस साल तकरीबन 300-400 लोग इसमें भाग ले चुके हैं।

रेडिओएक्टिव द्वारा कराया गया दूसरा कार्यक्रम है ओपन माइक। यह लोंगो को एक ऐसा स्टेज प्रदान करता है जहाँ आकर कोई भी व्यक्ति अपनी किसी भी प्रतिभा का प्रदर्शन कर सकता है। जिनकी गाना गाने में रुचि है वे अपने पसंद के किसी भी गाने को गा सकते हैं। यही नही बल्कि कोई चाहे तो अपनी कविता रचने की शक्ति का भी प्रदर्शन कर सकता है, अब वह हास्य कविता हो या देशभक्ति से जुड़ी कविता। हर साल की तरह इस साल भी रेडिओएक्टिव ने BOSM सहभागिओं का ख़ूब मनोरंजन किया।

प्राइड स्टॉल

कुछ लिखा तो आज़ाद हुआ, फिर उनपर शर्मसार हुआ
परखा, समझा ज़माने को, यहाँ तो इश्क़ भी है छुपाने को

BOSM में Anchor द्वारा प्राइड स्टॉल का आयोजन किया जाता है। प्राइड स्टॉल पर विभिन्न कार्यक्रमों को Anchor के सदस्यों द्वारा फेस्ट में आने वाले लोगो के सामने प्रदर्शित किया जाता है। इन्ही में एक कार्यक्रम था नेल आर्ट। इसमें सभी इच्छुक व्यक्ति अपने मन पसंद रंग अथवा बनावट से अपने नाखूनों पर कलाकारी करा सकते हैं। स्टॉल पर विभिन्न प्रकार की मर्च, जैसे प्राइड थीम वाली मर्च उपलब्ध थी और साथ ही बैजेस भी उपलब्ध थे। स्टॉल में कई मनोरंजक गतिविधियों का आयोजन किया गया जिनमें रुबिक'स क्यूब(Rubik's Cube) छात्रों के मध्य चर्चा का विषय रहा| परन्तु BOSM के प्राइड स्टॉल का मुख्य आयोजन 23 सितम्बर देर रात 12 बजे आयोजित दौड़ 'प्राइड रन' रही जिसमें छात्रों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिय। पूरी दौड़ लगभग 2 किलोमीटर लम्बी थी जिसमें पूरे पिलानी कैंपस का एक चक्कर लगाया गया। Anchor द्वारा आयोजित इस दौड़ का मुख्य उद्देश्य कैंपस की जनता के मध्य LGBT समूह के प्रति जागरूकता फैलाना था।

हॉकी

हॉकी मनोरंजक होने के साथ-साथ एक उत्कृष्ट खेल भी है, जो खिलाड़ियों की दृढ़ता और समर्पण का प्रतीक है।
आज हॉकी के मैच में दर्शकों को रोचक और अव्वल खेल देखने को मिला। पुरूष श्रेणी के मैच में, IIT दिल्ली और ओ.पी. जिंदल के बीच एक महत्वपूर्ण मुकाबला खेला गया। इस मैच में IIT दिल्ली ने 2-1 के स्कोर से जीत हासिल की। इसके बाद, ओ.पी. जिंदल और बिट्स A के बीच एक और मैच हुआ, इस मैच में बिट्स A ने शानदार प्रदर्शन दिखाया और जीत हासिल की। इस मैच का स्कोर 4-2 रहा। वे न केवल अपने विरोधियों के खिलाफ़ अच्छा खेलने में सफल रहे, बल्कि उन्होंने सहयोग और संयम का भी बेहतरीन प्रदर्शन दिया।

बॉलीवुड नाइट

अब बैनी दयाल का नाम किसने नही सुना? बच्चे हो या बूढ़े सभी इनके गीतों पर झूम उठते हैं| इस बार बॉसम में DLE द्वारा छात्रों का मनोरंजन करने के लिए इन्हें आमंत्रित किया गया था। सभी प्रथम वर्षीय छात्रों का यह पहला कॉलेज कॉन्सर्ट था। तकरीबन एक महीने पहले से इसके चर्चे हो रहे थे। सेट लिस्ट का प्रथम गाना था "लोचा-ए-उल्फत"। गाने की शुरुआत होते ही, सब छात्र आने वाली परीक्षाओं के बारे में भूलकर गीत में मग्न हो गए। इस गाने के पश्चात, बैनी दयाल ने अपने काफी प्रसिद्ध गानों की प्रस्तुति की। इसी बीच "यह जवानी है दीवानी" का अति प्रसिद्ध गाना, "बद्तमीज़ दिल" की पेशकश भी की गयी। कॉन्सर्ट की एक ख़ास बात यह थी कि बैनी दयाल ने सिर्फ़ अपने गाने नही, बल्कि कई पुराने गीत नए ज़माने के रस के साथ पेश किए। इसमें शामिल थे, "पहला नशा" , "छैय्या-छैय्या" अथवा "ऊंची है बिल्डिंग" जैसे मशहूर गीत। अंत में बैनी दयाल व उनके दल द्वारा कुल 7-8 गानों का एक मधुर मिश्रण बजाया गया जिसमे हिंदी, तमिल अथवा अंग्रेजी गाने थे। यह कॉन्सर्ट काफ़ी मनोरंजक था।

बैडमिंटन

BOSM 2023 के चौथे दिन में बैडमिंटन की प्रतियोगिता की शुरुआत हुई। इस प्रतियोगिता में बारह टीम ने उत्साह से भाग लिया। जिनमें से एस. आर. सी. सी., वेंकी, आई. आई. टी. रुड़की , हँसराज , मानव रचना यूनिवर्सिटी, मणिपाल यूनिवर्सिटी जयपुर, बिट्स (बिट्स A और बिट्स B) की टीम ने भी भाग लिया था। हँसराज की टीम ने प्रशंसनीय तरीके से खेला। बिट्स A मेहनत से सेमीफाइनल्स तक पहुँची, परंतु बिट्स B पहुँचने में असफल रही। 21-8 और 22-20 से मणिपाल यूनिवर्सिटी जयपुर (एम्. यू. जे.) ने बिट्स को शिकस्त दी। हँसराज कॉलेज के खिलाड़ी- मधुर ढीगरा के खेलने का तरीका प्रशंसापूर्ण था। वे वर्ल्ड जूनियर रैंकिंग में पैंतीसवें पद के हकदार हैं। बिट्स के खिलाड़ी- अक्षत मंदाबने ने भी काफ़ी बढ़िया खेला। पूरी प्रतियोगिता काफ़ी दिलचस्प रही। बिट्स भले ही स्वर्ण पदक जीतने में असफल रहा, परंतु दिलों को जीतने में अचूक रहा।

कैरम

BOSM 2023 के चौथे दिन में कैरम की प्रतियोगिता की शुरुआत हुई। इस प्रतियोगिता में पाँच टीमों ने प्रतिस्पर्धा की भावना के साथ भाग लिया। जिनमें से जी.बी.पंथ, मणिपाल यूनिवर्सिटी जयपुर, एस.आर.सी.सी, बिट्स (बिट्स A और बिट्स B) की टीम ने भी भाग लिया था। टीम कप्तान शिवम के अनुसार हैरानी की बात यह थी कि कैरम की इन्वेंटरी BOSM 2023 के पहले ही दिन पहुँच गयी थी। बिट्स A ने स्वर्ण पदक जीता और बिट्स B ने रजत पदक जीता। बिट्स A ने जी. बी. पंथ.को 25-0 से और मणिपाल यूनिवर्सिटी जयपुर को 28-0 से शिकस्त दी। कायदे से एस.आर.सी.सी. के साथ भी बिट्स A का मैच होना चाहिए था, परंतु आखिरी पल में एस.आर.सी.सी. पीछे हट गया। बिट्स A ने बिट्स B को 20-7 और 24-11 से डबल्स में हरा दिया। बिट्स A ने बिट्स B को 23-16 और 24-11 से सिंगल्स में भी शिकस्त दी। बिट्स के खिलाड़ी शिवम कुमार, अक्षित कुमार, और ज्ञानेश ने काफ़ी शानदार प्रदर्शन दिया। बिट्स के खिलाड़ियों का कहना है "इस बार दूसरी टीम के खिलाड़ियों में वो बात नही थी" उनका यह भी कहना है कि पी.सी.आर को और मेहनत करके बेहतरीन खिलाड़ियों को बुलाना चाहिए। बिट्स टीम A ने BOSM 2022, और INTERBITS में भी स्वर्ण पदक जीता था। बिट्स के खिलाड़ियों की मेहनत एक बार फिर रंग लाई।

लॉन टेनिस

कल लॉन टेनिस के मैच में बड़ी रोचकता थी। खासकर महिला श्रेणी के फ़ाइनल में, जहाँ श्री वेंकटेश्वर और बिट्स का मुकाबला हुआ। इस मैच में वेंकटेश्वर ने फ़ाइनल जीत कर अपने प्रतिद्वंदी टीम को परास्त किया। वह दो सेटों में मैच जीतने में सफल रही। पहले सेट के स्कोर 6-2 और दूसरे सेट का स्कोर 6-4 था। इसके साथ वह इस श्रेणी के चैम्पियन बनी। सेमीफ़ाइनल मैच में बिट्स टीम A और टीम B के बीच महासंघर्ष हुआ। इस मुकाबले में बिट्स B टीम ने बड़ी मेहनत और दृढ़ संयम के साथ जीत हासिल कर अपने प्रतिपक्ष को परास्त किया और फ़ाइनल में अपनी जगह बनाई। उन्होंने यह मैच दो सेट में जीता, पहले सेट के स्कोर 6-1 और दूसरे सेट के स्कोर 6-3 के साथ।

‘ध्वनि’ की गूँज

BOSM के रंग बिरंगे त्यौहार के दूसरे दिन की शाम अपने साथ लाई ‘गुरुकुल’ की अति मनमोहक पेशकश, ‘ध्वनि’।

शाम ढलने तक जब खिलाड़ी अलग-अलग मैदानों में अपनी प्रतिभा और दम खम दिखा चुके थे, तब उन्हे Main Audi में एक ऐसी महफ़िल का हिस्सा बनने का अवसर प्राप्त हुआ जिसकी सुरों और माहौल की मदहोशी में उनकी थकान जैसे खुली हवा सी गायब ही हो गई।

इस जादुई समा में कई मशहूर कलाकारों के गाने शामिल थे जैसे कि अरिजीत सिंह, अमित त्रिवेदी, हैरी स्टाइल्स, वीकेंड, द लोकल ट्रेन इत्यादि। जहां एक तरफ़ ‘इकतारा’ की सुरीली धुन ने शुरुआत में ही लोगों का मन मोह लिया, वही रॉक म्यूज़िक ने जैसे थकी हुई जनता के बीच एक ऊर्जा से भरा आलाप छोड़ दिया जिसने किसी शर्मीले से शर्मीले व्यक्ति को भी हर्षोल्लास के साथ झूमने पर मजबूर कर दिया। जहां ‘खामोशियाँ’ ने सभी लोगों के कानों मे मदहोशी के सुर घोल दिए वही ‘हारेया’ ने जैसे सब कुछ भूल कर झूमने पर मज़बूर कर दिया। जहां ‘लारी छूटी’ के साथ लोगों के पाँव अपने आप ही उन्मुक्त हो थिरकने लगे वही अंत में ‘छू लो’ की पेशकश ने सच में महफ़िल में मौजूद सभी लोगों का दिल छू लिया।

साथ ही गुरुकुल के सभी कलाकारों ने हमेशा की तरह सभी की उम्मीदों पर खरा उतरते हुए अपनी उत्तम कला की पेशकश से एक ऐसा समा बांध दिया जिसे अनुभव न कर पाने वाला शायद ही अफ़सोस से वंचित होगा।

कुछ कलाकारों ने तो ऐसी प्रस्तुति दर्शकों के सामने दी कि मानो अगर असल संगीतकार भी महफ़िल का हिस्सा होता तो वो भी झूम उठते। समां का हिस्सा बने BOSM के खिलाड़ी, BITS के छात्र उस माहौल की मस्ती में कुछ यूं रंग गए कि भरी भीड़ में ना जान सूझी न पहचान, लोग उन्मुक्त होकर एकसाथ बस संगीत के मौसम में घुल गए और साथ ही मस्ती में गाने व झूमने लगे। यही तो गुण है संगीत की भाषा का, कि जुबां, बेजुबां सभी एक मस्ती की डोर में बँध कर, ये भूल कर की कौन अपना और कौन पराया बस एक साथ एक ही धुन में नाचने लगते हैं।

वो मेन ऑडिटोरियम का स्टेज, जैसे कलाकारों के जुनून और ऊर्जा से कुछ ऐसे आवेश मे लिप्त हो गया कि समस्त सभागार में अँधेरा होने के बावजूद, वो रौशनी में झूम रहा था।

‘ध्वनि’ की इस अनोखी गूँज ने जैसे थके हुए मनोबलों और निराश मनों में एक नई ऊर्जा का संचार कर दिया था। ऐसा मानो कि ये ऐलान किया था कि अब ये बस खेलों का ही नही अपितु, जुनून और प्रतिभा का त्यौहार भी शुरू हो गया है और ये कई रोमांचक मौके हमारे सामने लाएगा ये बताने के लिए कि रंग, प्रतियोगिता, जुनून सिर्फ़ खेल भावना से अवगत कराने के लिए ही नही, बल्कि हम सब की ज़िंदगियों में कुछ ऐसे रंगीन पहलुओं को जोड़ने के लिए है जिन्हें हम उम्र भर अपने ज़हन में सँजो कर रखने वाले हैं। आखिर ये रंग इन लम्हों के ही तो हैं।

अच्छे गाने ब्याहा "हमपे तो है ही नो",
बाकी गानों का mixveg कर देता हूँ!
THANK YOU DLE <3
SHAPE OF YOU
CHALEYA
JAKI JAKI
हमें कौन याद कर रहा?
ARJU
EDDY
28
"जब MIGHTY RAJU बड़ा होके गाना गाएगा।"
900
950
999

हिन्दी प्रेस क्लब

ब्रह्मास्त्र

आप कौन?, अल्टीमेट कप्तान, फूकी-फूकी, PORless, काला-सफ़ेद, Heavy कौडर

जना, प्रार्थना, ज़ाम्बा, क्रेज़ी, हम, रईस,चाणक्य, इनकोग्निटों, आर्काइव्ड, पहलवान

है जुनून?, Comeback, तुतुल-पुतुल, Cutie, रूम specialist, थकान, 50 ग्राम, प्रो-Player, काली-काली ज़ुल्फ़ें, परम्परा-प्रतिष्ठिता-अनुशासन, Black शर्ट, DJ चुल, नशे>>, 360°, SPAM, फैनी-मैगनेट, जवान, कहानी, बीच-बीचाला, शक्तिमान

dilemma,घटोत्कच,अनुभवी,Mr. India,विद्वान,शादी पक्की,Yo Yo,नियमित,सन्नाटा,+1 combo,ईद का चाँद,मेहनती,सोने की परी

3SISTERS ENERZAL NoticeBard EaseMyTrip Bharat Petroleum energising lives plum Body Lovin'